Demand to denotify the existing Kasireddy Nayana Jyothi Kshetram lands in Andhra Pradesh from Forest Department

SHRI MEDA RAGHUNADHA REDDY (Andhra Pradesh): Sir, I would like to bring forth an important issue regarding the demolition of certain structures at the Kasireddy Nayana Ashram in the Jyothi Kshetram, Andhra Pradesh located in the deep forest which renders selfless service and offers free meal to the poor and those coming in from neighbouring States of Tamil Nadu, Karnataka, Kerala and even to the foreigners who do visit in large numbers. It also has more than 100 annadana satrams all over the State feeding thousands of poor people daily and was formed on the teachings of renowned spiritual guru Kasireddy Nayana. His teachings moved thousands of farmers in the drought-hit regions of Rayalaseema promoting them to donate the first crops from their fields to the ashram and the same is continued till now. Recognizing his significant contribution to the society, the Government has named a mandal in his honour in YSR Kadapa district, Andhra Pradesh. The recent action of the Forest Department to raze down the structures in the Kasinayana Jyothi Kshetram has hurt the sentiments of the enormous number of devotees who perform annadanam and also the public in and around the region.

Therefore, the Central Government is requested to please consider denotifying the existing Kasinayana Jyothi Kshetram land from the Forest department and also for consideration of allotment of 33 acres of land for taking up the developmental activities for expansion as a spiritual center considering its significance and the sentiment of lakhs of devotees from Andhra Pradesh and Rayalaseema region.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shri Meda Raghunadha Reddy: Shri Golla Baburao (Andhra Pradesh), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Niranjan Bishi (Odisha) and Shri A. A. Rahim (Kerala).

Shrimati Ranjeet Ranjan; Concern over the issues of safety and security arrangements in shelter homes for women in the State of Bihar.

Concern over the issue of safety and security arrangement in shelter homes for women in the State of Bihar

श्रीमती रंजीत रंजन (छत्तीसगढ़) **:** उपसभापति जी, मैं आपके माध्यम से यह बताना चाहती हूँ कि जब मैं लोक सभा में थी, तो 2018 में मुजफ्फरपुर बालिकागृह कांड हुआ था, जिसमें 34 बच्चियों के बलात्कार की बात सामने आई थी। उसकी सीबीआई जांच हुई थी। उस सदन में वह मामला उठा था। तब सुमित्रा ताई स्पीकर थीं। उस मामले में कई लोग जेल गए थे, लेकिन बहुत सारे

सफेदपोशों को बचा लिया गया था।

महोदय, एक बार फिर 19 तारीख को रात में सिवान में ऐसी ही एक घटना हुई। सिवान के भैसाखाल गांव में एक आश्रय गृह है, जिसमें बालक भी रहते हैं, वृद्ध भी रहते हैं। अचानक प्रशासन द्वारा यह खबर आई कि वहाँ 13 लड़कियां रात से फरार हैं। सर, सबसे पहली बात तो यह है कि वे फरार हुईं, तो यह आपको कैसे मालूम है और अगर वे फरार हुईं, तो इसकी वजह क्या थी? प्रशासन दूसरी बात कह रहा है। वहाँ 8 सीसीटीवी कैमरे थे। उनमें से 5 कैमरे उस रात को बंद थे, जहाँ जिस दीवार से उन बच्चियों के फरार होने की बात की गई। तीसरी बात यह है कि वह दीवार 20 फीट ऊंची है और उसके ऊपर तार भी लगी हुई है, तो वे बच्चियाँ कैसे भागीं? चौथी बात, प्रशासन के द्वारा कहा गया कि एक लड़की मिल गई है और 8 लड़कियां अपने परिवार के संपर्क में हैं। अगर यह सिर्फ फरारी का मामला था, तो प्रशासन इसे सामने क्यों नहीं कर रहा है और उन परिवारों को छुपाया क्यों जा रहा है?

उपसभापति जी, मैं आपके माध्यम से सरकार को बताना चाहती हूँ कि यह नॉर्मल मामला नहीं है। पहले भी लगातार shelter home में उनके साथ sexual harassment तथा बहुत तरह की harassments होती रही हैं। यह वैसा ही मामला लगता है। मैं यह बात आपके माध्यम से सदन के संज्ञान में लाना चाहती हूँ कि एक बार फिर से इसकी सीबीआई जांच होनी चाहिए। मैं तो कहूँगी कि एक स्वतंत्र कमेटी बननी चाहिए, जो देश के तमाम बालिकागृहों की निगरानी करे, स्वतंत्र निगरानी करे। सर, इस पर जब तक आप कुछ कहें, यह मामला अभी सदन में आ रहा है, तभी से वहां लीपापोती शुरू हो जाएगी।

सर, मैं आपके माध्यम से यह कहूँगी कि इसका राजनीतिकरण नहीं करें, क्योंकि चाहे पक्ष हो या विपक्ष हो, इसमें बहुत तरह के सफेदपोशों के जाने की, involve होने की बातें लगातार आती रही हैं। यह हमारे देश की उन बच्चियों का सवाल है, जो गरीब हैं, लावारिस हैं, जिनको शादी का झांसा देकर बुला लिया जाता है। वे लावारिस तरीके से उन शेल्टर होम्स में रहती हैं। कुछ बच्चियाँ orchestra में काम कर रही होती हैं। यहां तक कि वहाँ के बालकों के साथ भी sexual harassment होता है। सर, यह सिर्फ sexual harassment का केस नहीं है। जिस बुरे तरीके के साथ उनके साथ harassment किया जाता है, वह शब्दों में बयां करने के लायक नहीं है। इसलिए इसको सरकार बहुत गंभीरता से ले। वहां के डीएम जो कह रहे हैं कि यह मामला गंभीर है, लेकिन बच्चियाँ फरार हुई हैं, तो यह authentication वे कैसे दे रहे हैं? ...(**समय की घंटी**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shrimati Ranjeet Ranjan: Shri Sandosh Kumar P (Kerala), Shrimati Phulo Devi Netam (Chhattisgarh), Ms. Dola Sen (West Bengal), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shri Sant Balbir Singh (Punjab), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Shrimati Jaya Amitabh Bachchan (Uttar Pradesh), Shri Prakash Chik Baraik (West Bengal), Shrimati Sonia Gandhi (Rajasthan), Shri Mallikarjun Kharge (Karnataka), Shri Pramod Tiwari (Rajasthan), Dr. John Brittas (Kerala), Shri Imran Pratapgarhi (Maharashtra), Shri Anil Kumar Yadav Mandadi (Telangana), Shri Haris Beeran (Kerala), Shri P. Wilson (Tamil Nadu), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Dr. Sasmit

Patra (Odisha) and Shri A. A. Rahim (Kerala).

Now, Shrimati Seema Dwivedi on 'Demand for stoppage of Train Nos. 12355 and 12356 (Patna-Jammu) at Mungra Badshahpur Railway Station in Jaunpur, Uttar Pradesh.'

Demand for stoppage of Train Nos. 12355 and 12356 (Patna-Jammu) at Mungra Badshahpur Railway Station in Jaunpur, Uttar Pradesh

श्रीमती सीमा द्विवेदी (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभापति महोदय, आज मैं आपके माध्यम से जनहित के एक मुद्दे को सदन में रखना चाहती हूँ। पटना से जम्मू जाने वाली ट्रेन संख्या 12355 'नीलांचल एक्सप्रेस' तथा जम्मू से पटना आने वाली ट्रेन संख्या 12356 मुंगरा बादशाहपुर रेलवे स्टेशन से ही गुजरती है, लेकिन वहाँ पर उसका ठहराव नहीं है। वहाँ भारी संख्या में तीर्थ यात्री 'माता वैष्णो देवी' के दर्शन करने जाना चाहते हैं, सबकी आस्था जुड़ी हुई है, परंतु ट्रेन का ठहराव न होने के कारण श्रद्धालुओं को बड़ी निराशा होती है। पूर्व में इसके लिए बार-बार प्रयास करने के बाद भी सफलता नहीं प्राप्त हो सकी। आज परम श्रद्धेय माननीय मोदी जी की सरकार ने ट्रेनों को प्रत्येक बहुसंख्यक जिले में चलाए जाने का जो प्रयास किया है, जो निर्णय लिया है, वह बहुत सराहनीय है। रेलवे की समय प्रतिबद्धता, सुरक्षा की भरपूर सुविधाओं से रेल यात्रियों का उत्साहवर्धन हुआ है और विश्वास भी जगा है।

महोदय, पब्लिक को यह पूरा यकीन है कि सरकार जहाँ 'वंदे भारत' जैसी प्रीमियम गाड़ियों को चला कर हर जिलों को जोड़ने का काम कर रही है, वहीं मैं आपके माध्यम से अनुरोध करना चाहती हूँ कि जनहित में उक्त ट्रेन, यानी 'नीलांचल एक्सप्रेस' का 2 मिनट के लिए ठहराव मुंगरा बादशाहपुर स्टेशन पर करने की कृपा करें ताकि भारी संख्या में श्रद्धालु 'माता वैष्णो देवी' के दर्शन कर सकें। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहती हूँ कि वह इस जनहित के प्रकरण का संज्ञान लेकर उक्त ट्रेन के ठहराव को सुनिश्चित करने की कृपा करे, धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shrimati Seema Dwivedi: Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Ms. Kavita Patidar (Madhya Pradesh), Shrimati Sumitra Balmik (Madhya Pradesh), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. Sumer Singh Solanki (Madhya Pradesh) and Dr. Kalpana Saini (Uttarakhand).

Now, Shri Raghav Chadha on 'Need to tap India's potential in the field of Artificial Intelligence.'

Need to tap India's potential in the field of Artificial Intelligence (AI)

श्री राघव चड्ढा (पंजाब) : सर, आज मैं जिस विषय पर बात करने के लिए खड़ा हुआ हूँ, वह आज के भारत से कहीं ज्यादा आने वाले कल के भारत के लिए जरूरी है। मैं Artificial